राखी है पवित्रता की निशानी

==========

आओ सब मिलकर प्रभु से बांधे राखी
यह राखी है पवित्रता की निशानी
प्रभु ने बांधी आत्मा के रक्षा हेतु राखी
विकारी-वृत्ति से आत्मा को दिलायी छुट्टी
मन -वचन -कर्म से पवित्र बनने की जिद्द है ठानी

आज कोई भाई किसी की कर न पाये रक्षा
खुद को भी वो असुरक्षित पाता
कलयुग में हर कोई दुखी और निधनका
प्रभु से जिसने नाता जोड़ा
अपने आत्मधर्म को उसने समझा
परधर्म से उसने पायी फिर सुरक्षा
आसुरी अवगुणों से पाया फिर छुटकारा

भोलानाथ लेने आया.... माया तुम्हारी

घर चलने की करो बस अब तैयारी
5 खोटे सिक्कों को करो अब प्रभु हवाले
पालो उनसे भविष्य राज्यतख्त की जिम्मेवारी
व्रत लो पावन बन खोया स्वराज्य पायेंगे
प्रभु से बांधी राखी की लाज निभायेंगे

ॐ शांति !!!